No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02644

जून, 2018

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. बौद्ध धम्म के विकास में आचार्य वसुबंधु के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

अथवा

अश्वघोष की महत्त्वपूर्ण कृतियों के आधार पर उनके विचारों पर चर्चा कीजिए ।

2. प्रमाण-सिद्धांत का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *10*

अथवा

"चार्वाक-दर्शन' का स्वर मानवतावादी है ।" इस कथन पर विचार कीजिए ।

3. कन्नड़ की भक्ति-साहित्य परंपरा का परिचय दीजिए । *10*

अथवा

"मिलिंद और नागसेन के बीच संवाद आम जीवन से जुड़ा हुआ है ।" इस कथन की विवेचना कीजिए ।

4. निर्गुण संतों के काव्य की विशेषताएँ बताइए । *10*

अथवा

वचन-साहित्य की विशिष्टता का परिचय दीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) धर्मकीर्ति

(ख) नाथपंथ

(ग) चौरासी सिद्ध

(घ) ईश्वरम्मा